दिनांक :- 14-07-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

लेखक का नाम :- डॉ. फारूक आज़म (अतिथि शिक्षक

स्नातक :- द्वितीय खंड (कला)

विषय :- प्रतिष्ठा इतिहास

इकाई :- ग्यारह

पत्र :- चतुर्थ

अध्याय :- च्यांग काई शेक

च्यांग काई शेक का जन्म चिकियांग प्रांत के फेंगुआ जिला में चिको नामक ग्राम में 1888 में हुआ था। उसके बचपन में ही उसके पिता का देहांत हो गया। उसकी माता का एक निष्ठावान बौद्धधर्म की अनुयायी थी। कैंटन में स्थापित सैनिक विद्यालय में सैनिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् 1907 में 1911 तक उस

ने जापान में सैनिक विज्ञान की शिक्षा प्राप्त की! डॉ० सनयात सेन के क्रांतिकारी विचारों से च्यांग बड़ा प्रभावित हुआ और वह उनका कट्टर अनुयायी बन गया! 1911 में चीनी क्रांति के समय च्यांग सेना में भर्ती हो गया! शंघाई युद्ध में उसने बड़ी वीरता प्रदर्शित की जिसमें डॉ० सेन को भी प्रभावित हुआ। जब 1913 में युवान शिकाई द्वारा कोमिंतांग दल को अवैधानिक घोषित कर दिया गया था, तब वह डॉ० सेन के साथ था और देश निर्वासन की अवधि में निरंतर उनके साथ रहा! 1916 में युआन के निधन के पश्चात् च्यांग देश लौट आया और व्यापार करने लगा! इस सन्दर्भ में पश्चिमी नियुक्त में पश्चिमी व्यापारियों के माध्यम से पश्चिमी राजनीतिज्ञों से उसका सम्पर्क कायम हुआ।

Scanned with CamScanner

1917 की बोल्शेविक क्रांति के बाद च्यांग रूस गया जहाँ कुछ समय तक रहकर उसने साम्यवादी रूस की सैनिक प्रणाली का अध्ययन किया। वह साम्यवादी विचारों से प्रभावित तो अवश्य हुआ, किंतु साम्यवादी विचार उसके दिल में घर नहीं कर सके। रूस से वापस लौटने पर उसे ह्वामपुवा सैनिक विद्यालय का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यहाँ कुओमिंतांग दल के नवयुवकों को सैनिक शिक्षा दी जाती थी। च्यांग काई शेक केवल एक कुशल प्रशिक्षित सैनिक ही न था, अपितु आधुनिक राष्ट्रीयता के विचारों तथा आधुनिक प्रवृत्तियों से भी भली भाँति परिचित था। चीन के प्राचीन ग्रंथों का भी उसने अच्छी तरह अध्ययन किया था। 1925 तक वह रूस का विरोधी नहीं था और वह वहाँ के राजनीतिज्ञ

Scanned with CamScanner

ट्राटस्की से काफी प्रभावित था। ट्राटस्की ने उसे बत
लाया था। धैर्य और वह वहां के क्रियाशीलता किसी
भी क्रान्तिकारी दल के दो उसके अवश्य तत्व है, और
एक दूसरे के पूरक हैं। डॉ० सेन की मृत्यु के बाद उस
ने एक सार्वजनिक सभा में भाषण देते हुए कहा था'
हमे विश्वास है कि हम अपने उद्देश्य में आवश्यक सफ
लता प्राप्त करेंगे और सफलता का सम्पूर्ण श्रेय
हमारे रूसी साथियो को होगा। यदि चीनी क्रांति की
विजय होती है, तो यह विजय रूसी क्रांति की भी है
परंतु शीघ्र ही च्यांग के दृष्टिकोण में परिवर्तन हो गया।
कुओमिनतांग के दक्षिणपंथी दल में शीघ्र ही च्यांग का
विशिष्ट बन गया। दक्षिण पंथी चीन में रूस के बढ़ते
हुए साम्यवाद को चिन्ता की दृष्टि से देखते थे। अपने
साथियो से परामर्श कर च्यांग ने मार्च, 1925 में कैंटन

Scanned with CamScanner

मे फौजी कानून की घोषणा करके रूसी सलाहकारो को वापस लौट जाने की अज्ञा दे दी। लेकिन उत्तर का अभियान रूसी सेनाध्यक्षो व परामर्श दाताओ के अभाव मे पूर्ण किया जाना सम्भव नही था। अतः सभी परामर्शदाता वापस बुला लिए गये। इस समय रूसी परामर्शदाता बोरोडिन का बड़ा प्रभाव था। इसी समय 1925 में शंघाई की अन्तर्राष्ट्रीय बस्ती मे जापान के सूती मिल के मजदूरो ने हड़ताल कर दी। इनकी सहानुभूति मे 30 मई को छात्रो द्वारा भड़काई एक चीनी भीड़ ने विदेशी संस्थानो के सम्मुख एक प्रदर्शन किया इस भीड़ पर पुलिस ने एक अँग्रेज के नेतृत्व मे गोली चलाई। इसमें नौ चीनियो की मृत्यु हो गई। इस घटना की पूरे देश मे बड़ी प्रतिक्रिया हुई। चुंगकिंग, कैंटन एंव चीन के

आन्तरिक भागों मे भी विदेशी-विरोधी उपद्रव हुए जो मुख्यत: साम्यवादियों द्वारा संगठित किए गए थे। सबसे भयंकर घटना कैंटन मे हुई यहां भी प्रदर्शकारियों पर पुलिस द्वारा गोली चलाई गई। इसमे कुछ विदेशी तथा सौ के लगभग चीनियों की मृत्यु हो गई। इसे शाकी शमिन कत्लेआम (Shakee-Shameen-Massace) कहते है। चीन मे ब्रिटिश माल का बहिष्कार किया गया। चीनी मजदूरों ने अंग्रेज व्यापारिक संस्थाओं मे कार्यकरना बिल्कुल बन्द कर दिया। इस महान संघर्ष मे चीनी मजदूरो की विजय हुई। साथ ही कोओमिनतांग दल मे रूसी सहायता प्राप्त करने का समर्थन करने वाले गुट की स्थिति भी मजबूत हो गई। कैंटन मे अपनी स्थिति सुदृढ करने के बाद कुओमिनतांग दल की कार्यकारिणी ने उत्तरी चीन पर अधिकार करने की योजना बनाई।

Scanned with CamScanner

1926 मे आक्रमण करने की रूपरेखा तैयार की गई
जिसे मुख्य सैनिक परामर्शदाता जनरल ब्लूखर
ने तैयार की गई थी। राष्ट्रीय सेना के सेना के सेना
ध्यक्ष च्यांग काई शेक ने सर्वप्रथम हांको पर विजय
प्राप्त की। इसके बाद नानकिंग और शंघाई पर भी अधि
कार कर लिया गया। राष्ट्रीय एकता के सिद्धांत से
जन साधारण अत्यंत प्रभावित था। फलतः पीकिंग राष्ट्र
पति पेई-फू की सेना और अधिकारी राष्ट्रीय सेनाओं से आ मिले
हांको पर विजय करने के पश्चात् दक्षिण के राष्ट्रीय
सरकार ने उसे अपनी राजधानी बनाया। इस सरकार
मे साम्यवादियो का पक्ष प्रबल था। कुओमिनतांग का
दक्षिणपंथी जल साम्यवादियो के बढ़ते हुए प्रभाव
से बहुत चिन्तित था। च्यांग काई शेक को इससे
सहानुभूति थी। पश्चिम के अनेक राष्ट्र विशेषज्ञ

Scanned with CamScanner